भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 573
गुरुवार, 28 नवंबर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

पायलटों की संख्या

573. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः
श्री सुधीर गुप्ताः

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या एयरलाइन विनियामक निकाय ने देश में पायलटों की संख्या के संबंध में नवीनतम आंकड़े जारी किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि देश में 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं जो कि 5 प्रतिशत के वैश्विक औसत से तीन गुना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में विभिन्न घरेलू विमान कंपनियों में कार्यरत विदेशी नागरिकों सहित कुल कितने पायलट कार्यरत हैं और उनमें महिलाओं की संख्या कितनी है;

(घ) क्या यह सच है कि देश में नागर विमानन उद्योग में तीव्र गति से विकास हो रहा है जिसके लिए अगले पांच वर्षों के दौरान पर्याप्त संख्या में पायलटों की आवश्यकता होगी;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में और अधिक पायलटों की भर्ती के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(च) क्या सरकार का समाज के सभी वर्गों की महिलाओं के लिए पायलट प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने हेतु कोई विशेष कार्यक्रम शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) जी नहीं, देश में पायलटों की संख्या के संबंध में ऐसे आंकड़े नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी नहीं किए जाते हैं। हालाँकि, कुल 11,775 पायलट प्रमुख एयरलाइनों द्वारा नियोजित हैं और भारत में कुल 26,539 लाइसेंस प्राप्त पायलट (ATPL/CPL/PPL) हैं।

(ख) जी हां, देश में 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं। महिला पायलटों की संख्या का विवरण अनुलग्नक I में संलग्न है।

(ग) देश में विभिन्न घरेलू एयरलाइनों के साथ कार्यरत विदेशी नागरिकों और महिलाओं सहित कुल पायलटों की संख्या का विवरण अनुलग्नक II में संलग्न में है।

(घ) और (ङ) जी हां महोदय, भारत का विमानन उद्योग तीव्र गति से बढ़ रहा है और अगले पांच वर्षों के दौरान इस वृद्धि का निपटान करने के लिए पर्याप्त संख्या में पायलट अपेक्षित हैं।

यह भर्ती नागर विमानन मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। हालांकि, मंत्रालय ने देश में सीपीएल के प्रशिक्षण की क्षमता बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराया है। नागर विमानन मंत्रालय और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने एक उदार उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) नीति प्रस्तुत की है, जिसके अंतर्गत हवाईअड्डा रॉयल्टी (एफटीओ द्वारा एएआई को राजस्व हिस्सेदारी का भुगतान) की अवधारणा को समाप्त कर दिया गया है और भूमि किराये को काफी हद तक युक्तिसंगत बनाया गया है। वर्ष 2021 और 2022 में दो चरणों में प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद, एएआई ने 10 हवाईअड्डों पर 15 एफटीओ स्लॉट प्रदान किए। इनमें से 11 एफटीओ स्लॉट परिचालनिक हैं।

(च) वर्तमान में, इस मंत्रालय के पास ऐसा कोई कार्यक्रम/प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

******

अनुलग्नक I

महिला पायलटों की संख्या का विवरण

क्र. सं.	प्रचालक का नाम	कार्यरत भारतीय महिला पायलटों की कुल संख्या	नियोजित पायलटों की कुल संख्या	कार्यरत भारतीय महिला पायलटों का प्रतिशत
1	इंडिगो एयरलाइंस	791	5174	15.28%
2	एअर इंडिया	541	3462	15.62%
3	एलाइंस एयर	25	144	17.36%
4	स्पाइस जेट	61	372	16.39%
5	एसएनवी एविएशन	119	849	14.01%
6	एअर इंडिया एक्सप्रेस	230	1774	12.96%
कुल		1767	11775	15.00%

स्रोत :- नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए)

अनुलग्नक II

देश में विभिन्न घरेलू एयरलाइनों में कार्यरत विदेशी नागरिकों और महिलाओं सहित कुल पायलटों की संख्या का विवरण

क्र. सं.	प्रचालक का नाम	कार्यरत भारतीय पुरुष पायलटों की कुल संख्या	कार्यरत भारतीय महिला पायलटों की कुल संख्या	नियोजित विदेशी पायलटों की कुल संख्या	नियोजित पायलटों की कुल संख्या
1	इंडिगो एयरलाइंस	4383	791	34	5174
2	एअर इंडिया	2921	541	58	3462
3	एलाइंस एयर	119	25	20	144
4	स्पाइस जेट	311	61	शून्य	372
5	एसएनवी एविएशन	730	119	शून्य	849
6	एअर इंडिया एक्सप्रेस	1544	230	144	1774
कुल		10008	1767	236	11775

स्रोत :- नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए)

;